समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Thursday, 24 September 2026

आज 20 साल बाद एक मंच पर आ रहे उद्धव और राज ठाकरे, जाने रैली की क्या है तैयारी ?

Publisher

Published on 05 Jul 2025

मराठी अस्मिता के लिए 20 साल बाद एक मंच पर राज और उद्धव ठाकरे, वरली डोम मे हो रही ऐतिहासिक विजय सभा।

राज-उद्धव ठाकरे : महाराष्ट्र की **राजनीति** में आज का दिन **ऐतिहासिक** बनने जा रहा है। **शिवसेना (UBT)** प्रमुख **उद्धव ठाकरे** और **महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे)** प्रमुख **राज ठाकरे** **20 साल बाद** एक बार फिर **मराठी अस्मिता** के मुद्दे पर **एक साथ मंच साझा** करने जा रहे हैं। यह रैली राजनीतिक से ज्यादा **मराठी संस्कृति** और **भाषा की एकजुटता** का प्रतीक बताई जा रही है, लेकिन इसके राजनीतिक निहितार्थों से कोई इनकार नहीं कर रहा है।

आज सुबह **10 बजे मुंबई के वरली** स्थित **एनएससीआई** डोम में '**विजय सभा**' का आयोजन किया जा रहा है। **त्रिभाषा सूत्र** लागू करने के फैसले का दोनों नेताओं ने मिलकर विरोध किया था, जिसके बाद **महाराष्ट्र सरकार** ने इस फैसले को स्थगित कर दिया। अब इसे **मराठी एकजुटता** की जीत के तौर पर मनाया जा रहा है।

रैली मे हंर मराठी प्रेमी को आमंत्रण

इस **विजय सभा** में किसी भी **राजनीतिक पार्टी** का झंडा लाने की अनुमति नहीं है। आयोजकों ने **मराठी प्रेमियों, साहित्यकारों, लेखकों, कवियों, शिक्षकों, संपादकों** और **कलाकारों सहित समाज** के सभी वर्गों से मराठी अस्मिता के नाम पर जुड़ने की अपील की है।

रैली की तैयारियां और व्यवस्था

एनएससीआई डोम में लगभग **7 से 8 हजार लोगों** के बैठने की व्यवस्था की गई है। इसके अलावा आयोजन स्थल के अंदर और बाहर बड़ी **एलईडी स्क्रीन** लगाई गई हैं ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग इस सभा को देख सकें। वाहन पार्किंग के लिए भी विशेष इंतजाम किए गए हैं:

१. **डोम की बेसमेंट में 800 गाड़ियों की पार्किंग व्यवस्था है।**
२. **तटीय सड़क के पुल के नीचे दोपहिया वाहनों के लिए पार्किंग रखी गई है।**
३. **महालक्ष्मी रेसकोर्स में बड़ी गाड़ियों और बसों के लिए पार्किंग का इंतजाम किया गया है।**

राजनीतिक समीकरणों पर सबकी नजरें

राजनीतिक विश्लेषक मानते हैं कि आगामी **स्थानिय नगरनिगम** के चुनाव दोनों ठाकरे नेताओं के लिए **राजनीतिक अस्तित्व** की लड़ाई है। ऐसे में विरोधी दलों का कहना है कि यह **मराठी अस्मिता** की लड़ाई कम और **नगरनिगम चुनाव** की रणनीति ज्यादा है।

अतीत में कब-कब साथ आए ठाकरे बंधु?

पिछले **20 सालों में ठाकरे बंधु कई निजी अवसरों पर साथ आए है**, लेकिन **राजनीतिक मंच** पर साथ आना दुर्लभ रहा है। कुछ प्रमुख मौके:

१. **2012: उद्धव के अस्पताल में भर्ती होने पर राज की मुलाकात।**
२. **2015: उद्धव के फोटोग्राफी एग्जीबिशन में राज ठाकरे।**
३. **2019: अमित ठाकरे की शादी में उद्धव की उपस्थिति।**
४. **2025: इस वर्ष फरवरी में एक सरकारी अधिकारी के बेटे की शादी में दोनों शामिल हुए थे।**

2014 और 2017 के दौरान **शिवसेना-मनसे** के गठबंधन की चर्चाएं जोर पकड़ चुकी थीं, लेकिन यह तय नहीं हो पाया था कि कौन किसे समर्थन देगा। **राज ठाकरे** ने कई बार आरोप लगाया कि **उद्धव ठाकरे** ने कभी स्पष्ट रुख नहीं दिखाया।

क्या राजनीतिक गठबंधन संभव है?

आज की रैली से दोनों के बीच **राजनीतिक गठबंधन** के कयास फिर तेज हो गए हैं। हालांकि अभी तक किसी **औपचारिक राजनीतिक** गठजोड़ की घोषणा नहीं हुई है। आने वाले समय में **स्थानिय नगरनिगम** के चुनाव में क्या दोनों साथ लड़ेंगे या फिर यह केवल **मराठी अस्मिता** के मंच तक सीमित रहेगा, इस पर सबकी निगाहें टिकी हैं।

ऐसी ही देश और दुनिया की बड़ी खबरों के लिए फॉलो करें: www.samacharwani.com

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.